<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
<u>पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>

<u>पंतनगर विश्वविद्यालय में नए कुलपति का अभिनंदन, टीमवर्क और संस्कार पर विशेष जोर</u>

पंतनगर। 28 अप्रैल 2026। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर में नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर शिवेन्द्र कुमार कश्यप के स्वागत एवं अभिनंदन के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अपने संबोधन में कुलपति प्रोफेसर एस.के. कश्यप ने गांधी हाल में उपस्थित सभी का ध्यान आकर्षित करते हुए पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय की धरोहर और कार्य संस्कृति को बनाए रखने की बात की, ताकि इसकी पहचान पूर्व की भांति अन्य विश्वविद्यालयों से अलग बनी रहे। उन्होंने कहा कि हम महान कार्य करने की क्षमता के धनी हैं और आने वाले दिनों में हम नई ऊंचाइयों को छुएंगे। लैंड ग्रांट पैटर्न के तहत, शिक्षण, शोध और विस्तार तीनों अविभाज्य हैं, और इसके साथ हमें समाज की सेवा करनी है और राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारा ध्वज ऊँचा रखना है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की वास्तविक पहचान केवल अनुशासन से नहीं, बल्कि वहां के लोगों के संस्कार, आपसी सम्मान और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता से बनती है। उन्होंने कहा कि जब सभी लोग एकजुट होकर टीम भावना के साथ कार्य करते हैं, तभी मजबूत वर्क कल्चर विकसित होता है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, समयबद्धता, उत्तरदायित्व और सकारात्मक सोच को अपनाना आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने कार्य के प्रति समर्पित रहना चाहिए और संस्थान को परिवार की तरह समझकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करने होंगे। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, उन्नत शोध, और आधुनिक तकनीकों के समावेश पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों की आय वृद्धि, कृषि नवाचार और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि विश्वविद्यालय की भूमिका समाज के प्रति और अधिक प्रभावी बन सके। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित न रहें, बल्कि अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज के हित में करें। साथ ही शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों से अपेक्षा की कि वे शोध कार्यों को अधिक व्यावहारिक एवं किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाएं।

गांधी हॉल में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. दीपा विनय द्वारा कुलपति का स्वागत करते हुए उनकी जीवनी और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया।

गांधी हाल में संबोधन के पूर्व कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ बैठक की गयी, जिसमें उन्होंने सभी अधिष्ठाता एवं निदेशाकों का ध्यान विश्वविद्यालय के हित में अपनी सर्वश्रेष्ठ सेवाएँ देने की ओर आकर्षित किया। इसके बाद उन्होंने कृषि संचार विभाग का दौरा किया, जहाँ उन्हें विभाग के संकाय और छात्रों द्वारा सम्मानित किया गया।